हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:5 अंक:41 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये

pathpravah.com

हरिद्वार, रविवार, 15 फरवरी 2026

जेपी नड्डा ने सरकार-संगठन समन्वय पर दिया विशेष बल

2027 मिशन की तैयारियों में जुटने का आह्वान, विकास कार्यों पर धामी सरकार की सराहना

पथ प्रवाह, देहरादून।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सरकार और संगठन के बीच सुदृढ़ समन्वय को आगामी चुनावी सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने प्रदेश में विकास कार्यों की प्रभावी प्रगति पर पुष्कर सिंह धामी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य मानते हुए रणनीतिक रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री नड्डा ने तीन प्रमुख बिंदुओं पर विशेष फोकस करते हुए संगठन को अभी से पूर्ण सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया।

सरकार-संगठन तालमेल को और सशक्त करने पर जोर

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों और सरकार के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। श्री नड्डा ने प्रदेश नेतृत्व की सराहना करते हुए

कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए कमर कसने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए संगठन और सरकार के बीच निरंतर संवाद एवं समन्वय आवश्यक है। इसी क्रम में 17 फरवरी को मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी एवं सह प्रभारी सम्मिलित होंगे।

बूथ सशक्तिकरण और प्रशिक्षण महाअभियान की रूपरेखा

बैठक में निर्णय लिया गया कि विधानसभा चुनाव की दृष्टि से मंडल स्तर पर बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं एवं बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ को मजबूत करना है, विशेषकर उन बूथों पर जहां पिछले चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

साथ ही 17 फरवरी से प्रदेश में प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ प्रदेश कार्यशाला से किया जाएगा। इसके उपरांत मंडल एवं जिला स्तर पर भी प्रशिक्षण कार्यशालाएं संचालित होंगी, जिससे संगठनात्मक दक्षता और रणनीतिक क्षमता को और सुदृढ़ किया जा सके।

चार वर्ष पूर्ण होने पर विशाल रैली की तैयारी

प्रदेश भाजपा सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 23 मार्च को 1.5 से 2 लाख कार्यकर्ताओं की भागीदारी वाली भव्य रैली आयोजित करने की योजना है। इसके लिए प्रधानमंत्री अथवा केंद्रीय गृहमंत्री से समय मांगा जाएगा।

प्रमुख अभियानों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा

कोर कमेटी में संगठन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इनमें प्रमुख रूप से – सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्षः संकल्प से सिद्धि तक, योग दिवस, एक पेड़ माँ के नाम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस, आपातकाल का काला अध्याय (50वां वर्ष), तिरंगा यात्रा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, सेवा पखवाड़ा, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म, सरदार पटेल ञ्च150 यूनिटी मार्च, वंदे मातरम् ञ्च150 वर्ष, जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार, अटल स्मृति वर्ष 2025, वीर बाल दिवस, बजट प्रचार अभियान आदि शामिल रहे।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति

प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, नैनीताल सांसद अजय भट्ट, टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कल्पना सैनी, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, धन सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

जौलीग्रांट स्थित कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, दीप्ति रावत, तरुण बंसल, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान, सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र नेगी, ऋषिकेश जिला अध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिव रात्रि का पावन पर्व शिव एवं शक्ति की आराधना का पर्व है। यह पर्व हमें प्रेम, एकता और आध्यात्मिक जागरण की प्रेरणा देता है। भगवान शिव की असीम कृपा सभी प्रदेशवासियों पर हमेशा बनी रहे और प्रदेश उन्नति एवं खुशहाली के पथ पर हमेशा आगे बढ़ता रहे, इसकी भी मुख्यमंत्री ने कामना की है।

मोदी ने असम में पूर्वोत्तर के पहले राजमार्ग आधारित आपातकालीन लैंडिंग रनवे का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले के मोरन में पूर्वोत्तर के पहले राजमार्ग आधारित आपातकालीन लैंडिंग रनवे (ईएलएफ) का उद्घाटन किया। यह भारत के रक्षा अवसंरचना और संचालन तैयारियों की कड़ी में एक बड़ा कदम है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सी-130जे हरक्यूलिस विमान से नये बने आपातकालीन रनवे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री का स्वागत राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने किया। इस दौरान श्री मुख्यमंत्री सरमा ने श्री मोदी को असमिया गमछा और जापी दी, जबकि एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उन्हें एक यादगार तोहफा दिया।इस समारोह में सुखोई 30 एमकेआई, राफेल लड़ाकू विमान और देश में बने उन्नत छोटे हेलीकॉप्टर (एएलएच) समेत आईएएफ के लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाये। सुखोई 30 एमकेआई और राफेल दोनों ही राजमार्ग पर सफलतापूर्वक उतरे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने जालियां बजाकर पायलटों की हौसला आफजाई की। पूर्वोत्तर में

अपनी तरह की पहली मोरन केंद्र से आईएएफ की संचालन गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है, खासकर रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाकों में। इस केंद्र का उद्घाटन करने के बाद, प्रधानमंत्री गुवाहाटी के लिए रवाना हुए, जहां वह ब्रह्मपुत्र नदी पर बने एक नये पुल का उद्घाटन करेंगे, जो गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी को जोड़ता है। वह असम के पहले भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) परिसर और शहर में एक नेशनल डेटा सेंटर का भी उद्घाटन करेंगे। इसके बाद श्री मोदी गुवाहाटी के खानापारा में पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं को संबोधित करने की संभावना है।

कांग्रेस भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, उससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं है: असम में मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी को भारत का बुरा चाहने वाली और आतंकी सोच रखने वालों के साथ चलने वाली पार्टी बताते हुए उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि यह भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, इससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि जो पार्टी देश को एक राष्ट्र मानने से परहेज करे, माँ भारती के प्रति सम्मान न दिखाए वह देश का भला नहीं कर सकती। वह विधानसभा चुनावों के मूड में चल रहे असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपदल पर असम में केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति करते तथा विकास और शांति की उपेक्षा करने के भी आरोप लगाये।

प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को इस अवसर पर पुलवामा (कश्मीर) आतंकवादी हमले की बरसी की याद दिलाते हुए उस हमले में जान गंवाने वाले जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि पुलवामा के बाद भारत ने जिस तरह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की उसे दुनिया ने देखा है। कुछ लोग भारत की कार्रवाई से आज भी कांप रहे हैं। मॉं भारती की शक्ति को आप ने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा।

प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में राष्ट्र और आतंकवाद के प्रति कांग्रेस की कथित कमजोरियों का जिक्र किया और सवाल किया, 'क्या कांग्रेस में देश हित के लिए इस तरह के फैसले करने की ताकत है?' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसे मौकों पर ज्यादा से ज्यादा एक बयान दे सकती है।'

मोदी ने कहा, ' जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो...जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मॉं भारती के प्रति जरा सा सम्मान नहीं दिखाते... वह कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। '

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, उसके समय में पूरा पूर्वोत्तर डर और असुरक्षा में जीता रहा। कांग्रेस ने सुरक्षा के लिए कुछ खरीदा तो , उसमें भी घोटाले किये गये। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा और विकास की दृष्टि से सड़कों , सुरंगों हवाई पट्टियों और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया और कहा कि भारत सीमाओं की सुरक्षा बढ़ा रहा है।

उन्होंने कहा , 'यह सब देख कर कांग्रेस बौखलाई हुई है, उसे लगता है मोदी यह सब कैसे कर लेता है। उसे रात में नींद नहीं आती और वह दिन में कुछ भी बोले जा रही है। आज कांग्रेस हर उस विचारधारा के साथ है जो भारत का बुरा चाहते हैं , जो भारत को टुकड़े टुकड़े करने का नारा लगाते हैं, जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना चाहते हैं, उन्हें कांग्रेस अपने कंधे पर पर बिठाती है।'

मोदी ने कहा, ' कांग्रेस एमएमसी (माओवादी मुस्लिम लीग) बन गयी है।' उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को यह संदेश असम की जनता (मतदाताओं) तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि असम के विकास में महान नदी ब्रह्मपुत्र की बड़ी भूमिका है पर कांग्रेस के 70 साल के शासन में इस नदी पर केवल तीन पुल बनाये गये थे जबकि 2014 में भाजपा के नेतृत्व में केंद्र में बनी उनकी सरकार और उसके बाद राज्य में 'डबल इंजन सरकार' बनाने के बाद से 10-11 साल में पांच नये पुलों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने असम को समस्यायें दी, भाजपा समाधान दिये हैं।'

इससे पहले प्रधानमंत्री ने इस सभा से पहले एक कार्यक्रम में राज्य में 5450 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा , 'हमने ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर विद्यार्थियों से चर्चा की थी। आने वाले समय में ब्रह्मपुत्र पर ऐसे ही रिवर टूरिज्म को और बढ़ाया जाएगा।' उन्होंने कहा , ' इस बार के केंद्रीय बजट में पूवोत्तर में सम्पर्क सुविधाओं को और अधिक मजबूती देने का काम किया गया है।

कनेक्टिविटी बढ़ती है, तो रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। इसलिए असम हाइवे और अन्य रोड प्रोजेक्ट्स के लिए करीब हजारों करोड़ रुपये देना तय हुआ है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को अपना अपना बूथ संभालने और भाजपा को राज्य विधान सभा के चुनाव में फिर विजयी बनवाने का आह्वान करते हुए कहा, 'असम में फिर से भाजपा की जीत को जरूरी बताते हुए कहा कि यह भी कहा कि कांग्रेस असम की असली पहचान को मिटाना चाहती है।

मां गंगा की गोद में जा रहा हूं लिखकर, छात्र ने गंगा में लगाई छलांग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में एक दर्दनाक घटना ने शिक्षण संस्थानों और छात्र समुदाय को झकझोर कर रख दिया। ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के बीएएमएस द्वितीय वर्ष के 21 वर्षीय छात्र ने कथित रूप से मानसिक तनाव के चलते गंगा में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को छात्र के किराए के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने जीवन से हताश होने की बात लिखी है।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान यशपाल (21 वर्ष) पुत्र पुष्पेंद्र पाल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से शाही भवन, इंदिरा नगर, पेंडलेगंज, जनपद गोरखपुर, उत्तर प्रदेश का निवासी था। वर्तमान में वह हरिद्वार के मायापुर क्षेत्र स्थित विकास कॉलोनी में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था और नियमित रूप से कॉलेज की पढ़ाई कर रहा था।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह यशपाल अपने कमरे से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। साथी छात्रों को चिंता होने पर कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। नोट में यशपाल ने लिखा कि वह अपने जीवन में कुछ हासिल नहीं कर पाया है और वह अपनी जिंदगी से संतुष्ट नहीं है। इसी मानसिक हताशा के चलते उसने गंगा में कूदकर आत्मघाती कदम उठाने का निर्णय लिया।

मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और कंट्रोल रूम की टीमें सक्रिय हो गईं। गंगा तट और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर खोजबीन अभियान चलाया गया। पथरी पावर हाउस से शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर दी गई है। शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

घटना की खबर फैलते ही कॉलेज परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। छात्र-छात्राओं में गहरा आक्रोश भी देखने को मिला। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कॉलेज और अस्पताल परिसर के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जानी चाहिए, ताकि आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों, किसी संभावित मानसिक दबाव या अन्य परिस्थितियों की सच्चाई सामने आ सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है। साथ ही छात्र के दोस्तों, शिक्षकों और परिजनों से भी पूछताछ की जाएगी। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर छात्रों में बढ़ते मानसिक तनाव और प्रतिस्पर्धात्मक दबाव की ओर ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में परिवार, मित्रों और संस्थानों को समय रहते संवाद और परामर्श की पहल करनी चाहिए, ताकि किसी भी युवा को इस तरह का कठोर कदम उठाने की नौबत न आए।

एक नजर

हरिद्वार नगर निगम ने जल संस्थान को दिया नोटिस, लॉज का चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कांवड़ मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम हरिद्वार ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नाई सोता बरसाती नाले में क्षतिग्रस्त पाई गई सीवर लाइन के संबंध में कड़ा रुख अपनाया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान सीवर लाइन में तकनीकी खामी/क्षति पाए जाने पर निगम ने तत्काल प्रभाव से उत्तराखंड जल संस्थान को मरम्मत हेतु नोटिस जारी किया है। निरीक्षण में पाया गया कि संबंधित सीवर लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण अपशिष्ट जल सीधे नाले में प्रवाहित हो रहा था, जिससे पर्यावरण और स्वच्छता मानकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। निगम अधिकारियों ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जल संस्थान को शीघ्र मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कांवड़ मेला क्षेत्र में किसी प्रकार की दुर्गंध या गंदगी की स्थिति उत्पन्न न हो।

लॉज परिसर में गंदगी पर चालानी कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान नाले के समीप स्थित एक स्थानीय लॉज परिसर में भारी गंदगी पाई गई। स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर निगम टीम ने संबंधित लॉज पर 5000 का चालान किया। इसके साथ ही लॉज के शौचालय को तत्काल प्रभाव से बंद कराते हुए उसकी चाबी निगम टीम ने अपने कब्जे में ले ली, ताकि सफाई व्यवस्था दुरुस्त होने तक उसका उपयोग न हो सके।

होटल और दुकानों पर भी कार्रवाई

नाई सोता बरसाती नाले में कूड़ा फेंकने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम ने क्षेत्र के कुछ होटलों के विरुद्ध भी चालानी कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाली 06 दुकानों पर भी जुर्माना लगाया गया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर धार्मिक आस्था से जुड़े क्षेत्रों में गंदगी फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

कांवड़ मेला क्षेत्र में सतत अभियान

नगर निगम द्वारा कांवड़ मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा अतिक्रमण हटाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। नियमित निरीक्षण, सफाई अभियान और अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई सतत जारी है। निगम का कहना है कि आने वाले समय में भी यह अभियान और तेज किया जाएगा। इस दौरान उपनगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, मुख्य सफाई निरीक्षक संजय शर्मा, मुख्य सफाई निरीक्षक अर्जुन सिंह, सुपरवाइजर अशोक एवं कपिल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। नगर निगम ने दोहराया कि धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों के आसपास स्वच्छता और सुव्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब का दंश पूरा परिवार झेलता है : विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। शराब की लत को सामाजिक कलंक नहीं बल्कि एक गंभीर चिकित्सकीय समस्या के रूप में देखने की आवश्यकता है, यह बात शनिवार को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) और एल्कोहलिक्स एनीनिमस (एए) के दो दिवसीय सम्मेलन में उठायी गयी।

इस अवसर पर डीएमए के अध्यक्ष डॉ. गिरीश त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि अधिकांश मरीज तब चिकित्सक के पास आते हैं जब शराब की लत शरीर, मन और परिवार को गहरी क्षति पहुंचा चुकी होती है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अनियंत्रित रूप से शराब पीता है, तो उसका असर केवल उसी तक सीमित नहीं रहता। पत्नी मानसिक तनाव झेलती है, बच्चे प्रभावित होते हैं और माता-पिता पीड़ा सहते हैं। डॉ. त्यागी ने घोषणा की कि लगभग 18,000 डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करने वाली डीएमए अपनी 13 शाखाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाएगी।

पुलवामा हमले के शहीदों की स्मृति में रक्तदान शिविर, 45 यूनिट रक्त संग्रहित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए देश के वीर जवानों की पावन स्मृति में शनिवार को ज्वालापुर क्षेत्र के धीरवाली स्थित गोपीचंद कॉलोनी एकता मंच द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन ब्लड वालेंटियर हरिद्वार के सहयोग से शिव गंगा मार्ट (सिटी पैलेस) धीरवाली में किया गया, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा हरिद्वार जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा एवं रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने वीर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि रक्तदान एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानवीय कार्य है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान तीन जरूरतमंद लोगों की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता केवल दुर्घटना पीड़ितों को ही नहीं होती, बल्कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे उन मरीजों को भी समय पर रक्त की जरूरत पड़ती है, जिनकी जान रक्त की कमी के कारण खतरे में पड़ जाती है। भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि गोपीचंद कॉलोनी एकता मंच सदैव सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों के माध्यम से संस्था समाज में सकारात्मक संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि शहीदों की स्मृति में रक्तदान करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। गोपीचंद एकता मंच के महामंत्री एवं भाजपा जिला सोशल मीडिया संयोजक मनोज शर्मा ने बताया कि संस्था निरंतर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहती है। चाहे स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना हो, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करना हो या रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करनी हो–मंच हर मोर्चे पर सक्रिय है। जिला रक्त कोष के डॉक्टर अंकुर सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में कुल 45 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई, जो समाज में बढ़ती जागरूकता का सकारात्मक संकेत है।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, लोकसभा सोशल मीडिया संयोजक आशीष झा, ज्वालापुर नगर मंडल अध्यक्ष वरुण वशिष्ठ, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती चंचल कौर सहित मोहित शर्मा, वरुण चौहान, वेदपाल चौहान, राजकमल सैनी, अमित सैनी, रविकांत, शिवशंकर पांडेय, पंकज बागड़ी, अश्विन चौहान तथा गोपीचंद कॉलोनी एकता मंच के अध्यक्ष विनय तिवारी, उपाध्यक्ष अश्वनी पाल, मंत्री जितेंद्र शर्मा, मनोज धीमान, अरविंद कुशवाह, कोषाध्यक्ष गजेंद्र धीमान, सौरभ सक्सेना सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चोरी की स्प्लेंडर व अवैध तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, बहादराबाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद भर में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। कोतवाली बहादराबाद पुलिस ने रात्रि चेकिंग के दौरान एक आरोपी को चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और अवैध तमंचे सहित धर दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। एसएसपी हरिद्वार द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए थे। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बहादराबाद के नेतृत्व में 13 फरवरी 2026 की रात्रि को क्षेत्रांतर्गत व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान वायरलेस सेट के माध्यम से थाना श्यामपुर क्षेत्र से एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना फ्लैश की गई थी। पुलिस टीम द्वारा पथरी रोह पुल चेकपोस्ट के पास चेकिंग के दौरान बहादराबाद की ओर से आ रही एक बिना नंबर की संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर जांच की गई। चेसिस नंबर के आधार पर जांच करने पर उक्त मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर यू18क्क914 पाया गया, जो हाल ही में थाना श्यामपुर क्षेत्र से चोरी हुई थी। कंट्रोल रूम द्वारा पूर्व में ही उक्त वाहन के संबंध में सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए गए थे। सख्ती से पूछताछ करने पर मोटरसाइकिल सवार ने स्वीकार किया कि उसने यह वाहन थाना श्यामपुर क्षेत्र से चोरी किया था। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम सोनू शाह पुत्र फरमान, निवासी ग्राम इस्सेपूरा, थाना कीरतपुर, जनपद बिजनौर (उ0प्र0), उम्र 27 वर्ष बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा 312 बोर भी बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सोनू शाह के कब्जे से बरामद स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के संबंध में थाना श्यामपुर पर मु0अ0सं0 19/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी संकेत मिले हैं कि आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में क्षेत्र में घूम रहा था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

बरामदगी का विवरण: एक चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (मु0अ0सं0 19/2026, थाना श्यामपुर)

एक अदद अवैध तमंचा 312 बोर

पुलिस टीम: व0उ0नि0 नितिन बिष्ट, उ0नि0 अमित नौटियाल, का0 प्रीतम तोमर, का0 बलवंत, पीआरडी अमजद मलिक

डीपीएस रानीपुर में सीबीएसई द्वारा दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

सीबीएसई सीओई द्वारा 'मूल्यांकन एवं आकलन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने' विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल आयोजन 13 एवं 14 फरवरी 2026 को सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, देहरादून द्वारा किया गया, जिसकी मेजबानी दिल्ली पब्लिक स्कूल, रानीपुर ने की। इस कार्यशाला में विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों से आए शिक्षकों ने प्रतिभागिता की।

विषय विशेषज्ञों के रूप में रमनीत स्वरूप, प्रधानाचार्य, भारतीय अकादमी, रुड़की, एवं सरबजीत सिंह, वरिष्ठ शिक्षा विशेषज्ञ, द वेस्टमिंस्टर स्कूल, दुबई उपस्थित रहीं

इस कार्यशाला में भाग लेने वाले में बीएमएल मुंजाल ग्रीन मीडोज बहादराबाद, सेंट जेवियर्स स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल नं. 1 रुड़की, मॉन्टफोर्ट स्कूल रुड़की, विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल रानीपुर, शिव नेशनल पब्लिक स्कूल, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल पानीपत, दून वैली स्कूल पांवटा साहिब, डीपीएस रानीपुर तथा सेंट मैरीज हरिद्वार से प्रतिभागी सम्मलित हुए।

प्रथम दिवस के सत्र में प्रधानाचार्य डॉ.

अनुपम जग्गा ने प्रतिभागियों सम्बोधित करते हुए कहा कि मूल्यांकन एवं आकलन को सुदृढ़ करना शिक्षा प्रणाली से जुड़े सभी वर्गो की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा सीबीएसई की मूल्यांकन सुधार प्रक्रिया के विकास क्रम को स्पष्ट किया तथा प्रतिभागियों को प्रभावी ब्लूप्रिंट तैयार करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। अन्य सत्रों में पोर्टफोलियो निर्माण एवं उसकी शैक्षणिक प्रासंगिकता, विभिन्न मूल्यांकन मानकों एवं रूब्रिक्स के उपयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चाओं में संरचित, दक्षता-आधारित तथा शिक्षार्थी-केंद्रित मूल्यांकन पद्धतियों की ओर बढ़ते परिवर्तन पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों ने कक्षा 12 के लिए बोर्ड परीक्षाओं 2026 के संचालन एवं डिजिटल मूल्यांकन विषय पर आयोजित आनलाईन सीबीएसई वेबिनार में भी भाग लिया, जिससे आगामी परीक्षा प्रक्रियाओं के संबंध में समयोचित स्पष्टता प्राप्त हुई। सत्र के दूसरे दिन का आरम्भ संगीत-आधारित समन्वय गतिविधि से हुई, जिसने सीखने के वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। सत्रों में आकलन और मूल्यांकन के बीच अंतर, ब्लूम्स टैक्सोनॉमी का व्यावहारिक अनुप्रयोग, स्टैंडर्ड एवं बेसिक गणित का परिचय, कौशल एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा का मुख्यधारा में समावेशन, कला एकीकरण तथा पोजिशनल ग्रेडिंग प्रणाली जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से रूब्रिक्स तथा ब्लूम्स टैक्सोनॉमी के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार किए, जिससे सैद्धांतिक ज्ञान को कक्षा-उपयोगी अभ्यास में रूपांतरित किया जा सके।

सभी प्रतिभागियों ने इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला के आयोजन के सीबीएसई सीओई देहरादून एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

बागेश्वर के एसपी जितेंद्र कुमार मेहरा को हरिद्वार पुलिस ने दी विदाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात के पद पर तैनात रहे जितेंद्र कुमार मेहरा के पुलिस अधीक्षक, बागेश्वर के पद पर स्थानांतरण होने पर हरिद्वार पुलिस परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। समारोह का आयोजन पुलिस कार्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण में किया गया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने जितेंद्र मेहरा के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं विशेष अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने तथा आमजन के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि श्री मेहरा ने सदैव टीम भावना के साथ कार्य करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। उनकी कार्यशैली में अनुशासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णय क्षमता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी, जिससे कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में सहायता मिली। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं। अपने संबोधन में आईपीएस जितेंद्र मेहरा ने हरिद्वार पुलिस परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद हरिद्वार में मिला सहयोग, टीमवर्क और अनुभव उनके लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया।

दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों ने की न्याय की मांग, जन संघर्ष मोर्चा ने की गिरफ्तारी की मांग

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जन संघर्ष मोर्चा ने शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न की शिकार एक नाबालिग पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग करते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई है। हरिद्वार प्रेस क्लब में जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष गुलशन खत्री एवं व्यापारी पुनीत गोयल ने पीड़िता के परिजनों के साथ प्रेस वार्ता करते हुए पीड़िता की व्यथा और आपबीती बताई। उन्होंने बताया कि ज्वालापुर निवासी एक युवक पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोप है। इस संबंध में पीड़िता के परिजनों ने 6 फरवरी को ज्वालापुर कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया था। बताया गया कि पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ ही उसके बयान भी दर्ज किए हैं, लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। परिजनों का आरोप है कि परिवार को डराया-धमकाया जा रहा है तथा बालिका के बयान बदलवाने के लिए दबाव बनाया गया। गुलशन खत्री ने कहा कि गरीब परिवार की बेटी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जन संघर्ष मोर्चा आंदोलन करेगा। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की है।

एचईसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'ग्रैंड फ्रेशर-2026' की धूम, प्रतिभाओं ने बिखेरा जलवा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एचईसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए 'ग्रैंड फ्रेशर-2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। उत्साह, उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों से सजे इस समारोह ने कॉलेज परिसर को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कॉलेज के चेयरमैन संदीप चौधरी ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह दिन उनके जीवन की एक नई और महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ नर्सिंग पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग क्षेत्र समाज की सबसे बड़ी ताकत है और आप सभी आने वाले समय में मानव सेवा की मिसाल बनेंगे। इस अवसर पर श्री एस. निकोलस ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 'मिस्टर एवं मिस फ्रेशर' तथा 'मिस्टर एवं मिस पर्सनैलिटी' प्रमुख आकर्षण रहे। प्रतिभागियों ने डांस, सिंगिंग, क्विज एवं रैम्प वॉक जैसे राउंड्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल के निर्णय के अनुसार पुलकित को 'मिस्टर फ्रेशर', सुनयना को

'मिस फ्रेशर', धीरज को 'मिस्टर पर्सनैलिटी' तथा अंशिका को 'मिस पर्सनैलिटी' घोषित किया गया। विजेताओं के नामों की घोषणा होते ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की आरती पाल ने सोलो डांस से दर्शकों का मन मोह लिया, जबकि हिमानी पाल, आरती पाल, आयुषी धीमान, जस्सी राठौर, जागृति ओबराय और शीतल ने ग्रुप डांस में शानदार तालमेल प्रस्तुत किया। तृतीय सेमेस्टर के आर्यन गुसांई, साक्षी मिश्रा और मीनाक्षी ने सोलो डांस से धमाल मचाया। आर्यन और आशीष की डांस जुगलबंदी ने खूब सराहना बटोरी। आयुष्मान शर्मा, आर्यन गुसांई, आशीष सिंह, प्रियंका, अनुष्का, खुशी, दीपा और शिवानी ने समूह नृत्य से समां बांध दिया।

प्रथम सेमेस्टर के छात्रों ने भी अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंशिका, सुनयना और विशाखा ने सोलो डांस प्रस्तुत किया, जबकि अतुल, निवित, अन्नु और राधा ने मनमोहक नृत्य से सभी को प्रभावित किया। धीरज, आस, अंकित, विकास, हरीश, पुलकित, आसिफ, आवेश और साहिल के ग्रुप डांस ने माहौल को जोश से भर दिया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन नूपुर पांडेय और दीपक कुमार ने किया।

इस अवसर पर ललित जोशी, तारा सिंह, उमराव सिंह, तनुश्री, ख्याति शर्मा, रोहिणी जोशी, अंकिता कोठारी सहित समस्त शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षार्थियों की सफलता हेतु आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज में हवन यज्ञ

पथ प्रवाह, हरिद्वार

आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज बहादरपुर जट में उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर की आगामी बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं की सफलता एवं उज्वल परीक्षा परिणाम की कामना को लेकर विधिवत हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय प्रबंधन ने सहभागिता कर बोर्ड परीक्षाओं के सकुशल एवं सफलतापूर्वक संपन्न होने की प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वातावरण भक्तिमय एवं सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर उत्तराखंड बोर्ड आफ स्कूल एजूकेशन की परीक्षाओं को लेकर विद्यालय प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्रों ने वर्ष भर कड़ी मेहनत और लगन के साथ अध्ययन किया है। अब परीक्षा का समय निकट है, ऐसे में विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की हड़बड़ाहट या घबराहट से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर समस्त अध्यापक एवं अध्यापिकाओं ने छात्रों की बेहतर तैयारी के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि अपने माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम भी रोशन करेंगे। कार्यक्रम में

विकास यादव, सुरेंद्र कुमार, शाहिद अली, सतीश शास्त्री, अरुणा यादव, छवि सैनी, वीर सिंह कश्यप, सुदेश चौहान एवं कामेश कश्यप सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

संपादकीय

क्या सच बोलना एक बीमारी है?

आज के दौर में यदि कोई व्यक्ति निर्भीक होकर सच बोल दे, तो अक्सर उसे 'सीधा-सादा', 'अव्यावहारिक', 'बाग़ी' या कभी-कभी 'अतिवादी' तक कह दिया जाता है। कई बार उसे यह सलाह भी मिलती है कि 'थोड़ा व्यावहारिक बनो', जिसका अर्थ प्रायः यह होता है कि सच को थोड़ा मोड़ दो, छिपा दो या चुप रहो। ऐसे वातावरण में यह प्रश्न गंभीर हो उठता है–क्या सच बोलना सचमुच एक बीमारी बन गया है, या फिर हमारी सामाजिक चेतना ही किसी गहरे रोग से ग्रस्त हो चुकी है?

भारतीय परंपरा में सत्य को सर्वोच्च मूल्य माना गया है। 'सत्यमेव जयते' केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का घोष है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीक पर अंकित यह वाक्य हमें निरंतर स्मरण कराता है कि अंततः विजय सत्य की ही होती है। महापुरुषों, संतों और विचारकों ने सत्य को धर्म, नीति और जीवन का मूलाधार बताया है।

फिर भी विडंबना यह है कि व्यवहारिक जीवन में सत्य बोलने वाला व्यक्ति अक्सर असुविधाजनक माना जाता है। उसे 'सीधे टकराव' का प्रतीक समझ लिया जाता है। मानो सच बोलना कोई सामाजिक असंतुलन पैदा करने वाला कार्य हो।

आज का समाज 'सुविधाजनक झूठ' का अभ्यस्त हो चुका है। राजनीति में आधे-अधूरे सच, दफ्तरों में आंकड़ों का खेल, रिश्तों में दिखावटी शिष्टाचार–ये सब हमारे रोजमर्रा का हिस्सा बन गए हैं। सच अक्सर असहज करता है, और असहजता से बचना मानव स्वभाव है।

कार्यालयों में यदि कोई कर्मचारी गलत नीति या अनियमितता पर सवाल उठा दे, तो उसे 'टीम प्लेयर' न होने का तमगा मिल सकता है। सामाजिक जीवन में यदि कोई व्यक्ति दिखावे और आडंबर पर प्रश्न करे, तो उसे 'नकारात्मक सोच' वाला कह दिया जाता है। इस प्रकार सच बोलने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे हाशिए पर धकेल दिया जाता है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हर सच को कहने का तरीका और समय उचित हो। सत्य को कठोरता, असभ्यता या अपमान का माध्यम बना देना भी गलत है। असंवेदनशीलता को सत्यवादिता का आवरण नहीं दिया जा सकता।

सच बोलना साहस है, लेकिन समझदारी के साथ बोला गया सच ही प्रभावी होता है। यदि सत्य किसी को सुधारने के बजाय केवल आहत करे, तो वह संवाद की बजाय संघर्ष को जन्म देता है। इसलिए सत्य और संवेदनशीलता का संतुलन आवश्यक है।

समस्या सच में नहीं, बल्कि सच सुनने की हमारी तैयारी में है। हम प्रशंसा सुनना पसंद करते हैं, आलोचना नहीं। हम समर्थन चाहते हैं, सवाल नहीं। जो व्यक्ति व्यवस्था पर प्रश्न उठाता है, वह सत्ता या समाज के लिए चुनौती बन जाता है।

इतिहास साक्षी है कि कई परिवर्तन उन्हीं लोगों ने किए जिन्होंने सच बोलने का साहस दिखाया। प्रारंभ में उन्हें विरोध, उपहास और दमन का सामना करना पड़ा, लेकिन अंततः वही समाज के पथप्रदर्शक बने। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि सच बोलना बीमारी नहीं, बल्कि परिवर्तन का बीज है।

रिश्तों में भी सच की भूमिका जटिल है। कई बार लोग यह कहकर झूठ बोल देते हैं कि 'हम सामने वाले को दुखी नहीं करना चाहते।' लेकिन क्या आधे-अधूरे सच पर टिका रिश्ता लंबे समय तक टिक सकता है? भरोसा सत्य पर ही आधारित होता है। यदि विश्वास की नींव कमजोर हो जाए, तो संबंध भी धीरे-धीरे ढहने लगते हैं।

हाँ, हर सत्य तुरंत और सीधे कह देना बुद्धिमानी नहीं हो सकती, परंतु सत्य को स्थायी रूप से दबा देना भी समाधान नहीं है।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि जीवन पूरी तरह आदर्शों पर नहीं चलता; व्यवहारिकता भी जरूरी है। यह बात सही है। लेकिन व्यवहारिकता का अर्थ यह नहीं कि नैतिकता से समझौता कर लिया जाए। सच बोलना अव्यावहारिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक दृष्टि से सबसे व्यावहारिक कदम है। झूठ अस्थायी राहत दे सकता है, पर दीर्घकाल में वह जटिलताओं और अविश्वास को जन्म देता है।

सच बोलने वाले लोग समाज के आईने की तरह होते हैं। वे वास्तविकता को उसी रूप में सामने रखते हैं जैसी वह है। यदि हमें आईना खराब दिखे, तो समस्या आईने में नहीं, प्रतिबिंब में होती है। दुर्भाग्य से हम अक्सर आईना तोड़ने की कोशिश करते हैं, बजाय चेहरा सुधारने के।

अंततः, सच बोलना बीमारी नहीं है। यदि कुछ बीमार है, तो वह है हमारी सामूहिक मानसिकता, जो आलोचना और असहमति को सहन नहीं कर पाती। हमें यह स्वीकार करना होगा कि स्वस्थ समाज वही है, जहां सच बोलने वाले लोगों को सम्मान मिलता है, न कि उपहास। सवाल यह नहीं कि सच बोलना गलत है या नहीं। असली सवाल यह है–क्या हम सच को सुनने और स्वीकार करने की क्षमता विकसित कर पाए हैं?

जब तक हम इस प्रश्न का ईमानदारी से उत्तर नहीं ढूंढेंगे, तब तक सच बोलने वाले लोगों को 'बीमार' कहने का सिलसिला शायद यूँ ही चलता रहेगा।

खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानकर अहंकार न करें

ईश्वर ने जब संसार की रचना की तब उसने सभी जीवों में एक समान रक्त का संचार किया। इसलिए मनुष्य हो अथवा पशु सभी के शरीर में बह रहा खून का रंग लाल है। विभिन्न योनियों की रचना भी इसलिए की ताकि मनुष्य कभी इस बात का अहंकार न करें कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है क्योंकि जीवन और मरण के चक्र में कौन कब किस योनि में जाएगा यह किसी को पता नहीं।

समानता के पीछे ईश्वर की यही इच्छा थी कि संसार में आपसी प्रेम और सद्भाव बना रहे, लोगों में छोटे अथवा बड़े का भेद पैदा नहीं हो। लेकिन समय के साथ मनुष्य की बौद्धिक क्षमता बढ़ती गयी किन्तु व्यवहारिक ज्ञान का लोप होता चला गया। मनुष्य ईश्वर की इच्छा को समझ नहीं पाया और आपस में भेद-भाव करने लगा। शास्त्रों में लिखा है कि जो ईश्वर की इच्छा का सम्मान नहीं करता है ईश्वर उससे नाराज होते हैं परिणामस्वरूप व्यक्ति का पतन हो जाता है।

एक कथा इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। महाभारत युद्ध के बाद काफी समय तक पांचों पाण्डवों ने कुशलता पूर्वक शासन करते हुए राज सुख का आनंद लिया। इसके बाद अपने उत्तराधिकारी को शासन का कार्य भार सौंप कर सभी ने सशरीर स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने की योजना बनायी। निश्चित समय पर द्रौपदी समेत पांचों पाण्डव स्वर्ग की यात्रा पर निकल पड़े। मार्ग में उन्हें एक काला कुत्ता मिला। कुत्ता भी इनके पीछे-पीछे चल पड़ा। युधिष्ठर को छोड़कर सभी भाई एवं द्रौपदी को यह अच्छा नहीं लगा कि कुत्ता उनके साथ सशरीर स्वर्ग प्राप्त करे।

सभी भाईयों ने कुत्ते को धक्का देकर पर्वत से नीचे गिराना चाहा। लेकिन, कुत्ता पर्वत से नहीं गिरा बल्कि बारी-बारी से सभी भाई और द्रौपदी पर्वत से गिर पड़े और सशरीर स्वर्ग नहीं पहुंच पाये। युधिष्ठर के पीछे-पीछे कुत्ता चलता रहा लेकिन युधिष्ठर ने इसका एतराज नहीं किया। स्वर्ग के पास पहुंचने पर एक विमान सामने नज़र आया।

युधिष्ठर इसमें बैठ गये तो कुत्ता भी साथ में आकर बैठ गया, इस पर भी युधिष्ठर ने एतराज नहीं किया।

शिखर ही लक्ष्य

अखिलेश जैन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। प्रधानमंत्री जी की कार्यशैली में स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100% तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है।

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, जो की 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे। यही प्रति व्यक्ति आय 2024 - 2025 में 235000 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024 - 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234859 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था जो 2024 - 2025 में भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। अर्थात् 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

वैश्विक निवेश की मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) वित्त वर्ष 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। वित्त वर्ष 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति और 13 वर्षों बजट है। 2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025- 2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है। लगभग दस गुना बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है। हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है। भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है। नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट हो गई, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है। 2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80% हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है। उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है। इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा। मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बेंगलुरु, दिल्ली से बनारस और बनारस से सिलीगुड़ी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र को हाई स्पीड रोड से जोड़ने का प्रयास किया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये था, वर्ष 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है, अर्थात इसमें लगभग 5.32 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है, जो लगभग तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़े हुए प्रावधान के माध्यम से, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में रणनीतिक बदलाव के साथ सशस्त्र बलों और उनकी क्षमताओं को दुनिया के उच्चतम मानकों में बदलने के अपने संकल्प की पुष्टि की है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट और विदेशी विक्रेताओं की तुलना में घरेलू आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने ने आयात प्रतिस्थापन की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया है और न केवल निर्वाह के लिए बल्कि भविष्य के आधुनिकीकरण के लिए स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रहा है। यही मोदी जी का बजट है। वैश्विक वस्त्र निर्माण और निर्यात केंद्र की रोजगार सृजन, निर्यात, ग्रामीण आजीविका और टिकाऊ विनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। फाइबर से लेकर फैशन तक, ग्रामीण उद्योगों से लेकर वैश्विक बाजारों तक, संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और एकीकृत नीतिगत ढांचे की घोषणा की गई है। इसमें रणनीतिक दृष्टि, समावेशी विकास, स्थिरता और व्यापक रोजगार सुनिश्चित करना सरकार की मंशा है।

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरुषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व है, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

ऋषिकेश उप निबंधक निलंबित, डीएम के औचक निरीक्षण में उजागर हुई करोड़ों की स्टाम्प चोरी

पथ प्रवाह, देहरादून

जिला प्रशासन की संस्तुति पर शासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऋषिकेश के उप निबंधक हरीश कुमार को निलंबित कर मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विधिवत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा गत माह किए गए औचक निरीक्षण में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के आधार पर की गई।

आमजन की शिकायतों पर डीएम का एक्शन

सब रजिस्ट्रार कार्यालय ऋषिकेश में आमजन को हो रही परेशानियों और लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी ऋषिकेश एवं जिला शासकीय अधिवक्ता (रा0) देहरादून की उपस्थिति में औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान जो तथ्य सामने आए, उन्होंने पूरे प्रशासनिक तंत्र को हिला दिया।

बिना उप निबंधक के हो रही थीं रजिस्ट्रियां

जांच में पाया गया कि उप निबंधक की अनुपस्थिति में निबंधक लिपिक द्वारा अवैधानिक रूप से विलेखों का पंजीकरण किया जा रहा था। इतना ही नहीं, एक कथित 'घोस्ट कार्मिक' भी कार्यालय में कार्य करता पाया गया, जिसका न तो कोई नियुक्ति पत्र था और न ही उपस्थिति पंजिका में नाम दर्ज था।

वर्षों से दबे थे आमजन के मूल दस्तावेज

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि पंजीकृत दस्तावेजों को महीनों और वर्षों तक कार्यालय में लंबित रखा गया। नियमों के अनुसार अधिकतम तीन दिन में मूल अभिलेख लौटाए जाने चाहिए, जबकि सैकड़ों मूल विलेख अलमारियों में धूल खा रहे थे। अर्जेंट नकल, जो 24 घंटे में उपलब्ध कराई जानी चाहिए, वह भी महीनों और वर्षों से लंबित मिली। उपस्थित फरियादियों ने डीएम के समक्ष अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि मूल अभिलेख लौटाने और रजिस्ट्री की नकल देने में उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा था।

करोड़ों की स्टाम्प चोरी और भूमि उपयोग में हेरफेर

संयुक्त जांच आख्या में यह तथ्य उजागर हुआ कि ग्राम माजरी ग्रांट, तहसील डोईवाला क्षेत्र में दून घाटी विशेष महायोजना-2031 के अंतर्गत आरक्षित औद्योगिक भूमि को आवासीय दर्शाकर छोटे-छोटे भू-खण्डों में विभाजित कर रजिस्ट्री की जा रही थी। इससे न केवल स्टाम्प अपवंचना हुई बल्कि भूमि क्रेताओं के साथ भी धोखाधड़ी की आशंका जताई गई है। प्रकरण में भारतीय स्टाम्प (उत्तराखण्ड संशोधन) अधिनियम 2015 की धारा 47क, भारतीय रजिस्ट्रेशन मैनुअल के नियम 325, 195 व 196 तथा शासन की अधिसूचना संख्या 368/28.04.2016 की अवहेलना पाई गई। इससे शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका व्यक्त की गई है।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई

जिला प्रशासन द्वारा उप निबंधक के निलंबन की संस्तुति शासन को भेजी गई थी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शासन ने उन्हें निलंबित कर मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्पष्ट किया है कि राजस्व हितों से खिलवाड़, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। अन्य रजिस्ट्रार कार्यालयों में भी औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

छेड़छाड़ के दो आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग से दुष्कर्म प्रयास व धमकी का मामला

पथ प्रवाह, देहरादून। महिला अपराधों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाते हुए दून पुलिस ने थाना सेलाकुई क्षेत्र में नाबालिग से छेड़छाड़ और परिजनों को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। जानकारी के अनुसार, सेलाकुई निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाना सेलाकुई में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी कि दो युवकों ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ की तथा विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर थाना सेलाकुई में मु0अ0सं0- 21/2026 के तहत धारा 137(2)/351(2)/74/87 बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर थाना सेलाकुई में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने सुरागरसी-पतारसी करते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और अभियुक्तों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी। सटीक सूचना के आधार पर घटना में शामिल दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण: ऋषिभ उर्फ अभिषेक, पुत्र मदन सिंह, निवासी ग्राम मिसरासपट्टी, पोस्ट बिधोली, थाना मसूरी, उम्र 20 वर्ष। शुभम, पुत्र रमेश, निवासी ग्राम मिसरासपट्टी, पोस्ट बिधोली, थाना मसूरी, उम्र 20 वर्ष।

रेलवे की तीन परियोजनाओं को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुल 18,509 करोड़ रुपये की रेलवे की तीन नयी परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुंबई-हावड़ा लाइन पर कसारा-मनमाड़ के बीच, दिल्ली से अंबाला के बीच और बेल्लारी से होसपेट के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि 131 किमी के कसारा-मनमाड़ सेक्शन पर तीसरी और चौथी का काम 10,154 करोड़ रुपये की लागत से पांच साल में पूरा किया जायेगा। यह काफी चुनौतीपूर्ण परियोजना है। इसमें 28 किमी की पांच सुरंगों का निर्माण किया जायेगा जिसमें सबसे लंबी सुरंग 24 किलोमीटर की होगी। इस सेक्शन में तीन महत्वपूर्ण पुल और 16 बड़े पुल बनाये जायेंगे। काम पूरा होने के बाद कसारा और इगतपुरी सेक्शन पर ट्रेन में चढ़ाई के लिए अतिरक्त इंजन लगाने की जरूरत समाप्त हो जायेगी। इससे हर साल माल ढुलाई 4.61 करोड़ टन बढ़ जायेगी। सालाना कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन 54 करोड़ टन कम होगा, लॉजिस्टिक्स लागत में 1,207 करोड़ रुपये की बचत होगी और 89 लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजन होगा। दूसरी परियोजना दिल्ली-जम्मू मार्ग पर दिल्ली और अंबाला के बीच 194 किमी के सेक्शन में तीसरी और चौथी लाइन बनाने की है। इसे 5,983 करोड़ रुपये की लागत से चार साल में पूरा किया जायेगा। इस सेक्शन में एक महत्वपूर्ण और 28 बड़े पुल बनेंगे। वैष्णव ने कहा कि इस मार्ग पर क्षमता से ज्यादा बोझ है और इसलिए क्षमता बढ़ानी जरूरी थी। इस सेक्शन से दिल्ली के साथ हरियाणा में सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और अंबाला जिले लाभान्वित होंगे। तीसरी परियोजना बेल्लारी से होसपेट के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण की है। इसकी अनुमानित लागत 2,372 करोड़ रुपये है और काम चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रेल मंत्री ने बताया कि इस सेक्शन पर क्षमता से दोगुना बोझ है।यह खंड कर्नाटक को मुंबई से जोड़ने वाली लाइन पर है। इस परियोजना में 34 बड़े पुलों के निर्माण होंगे। इससे हर साल 14 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाई-उत्सर्जन कम होगा और लॉजिस्टिक्स लागत में 323 करोड़ रुपये की बचत होगी। परियोजना से 44 लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजन होगा।

आईपीएस प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने संभाला एसएसपी देहरादून का कार्यभार

पथ प्रवाह, देहरादून

आईपीएस प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून का विधिवत पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं एवं कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प दोहराया।

नव नियुक्त एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि महिला सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहेगी। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई तथा प्रभावी निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाएगा। साथ ही जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति को बेहतर बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण के लिए ठोस और परिणामकारी कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुधारने पर भी विशेष जोर दिया। शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए ट्रैफिक प्रबंधन को आधुनिक तकनीक और बेहतर समन्वय के माध्यम से सुदृढ़ करने की बात कही। आमजन को सुगम और सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिस दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे।

एसएसपी ने यह भी कहा कि पुलिसकर्मियों के मनोबल को ऊंचा रखना और उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए प्रशिक्षण, संसाधनों की उपलब्धता और सकारात्मक कार्य वातावरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पुलिस बल अधिक प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने साम्प्रदायिक सौहार्द एवं धार्मिक सामंजस्य बनाए रखने को लेकर भी स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में भाईचारे और शांति को बिगाड़ने का प्रयास करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी तथा उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नवागत एसएसपी ने जनपदवासियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रशासन पारदर्शिता, संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा।

संस्कार भारती ने मनाया मातृ-पितृ पूजन दिवस, पुलवामा के शहीदों को किया याद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति के भावों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संस्कार भारती महानगर इकाई हरिद्वार द्वारा बीएचईएल सैक्टर-2 स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के माधव विशाल सभागार में 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, पुलवामा के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गयी। माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन, डा. श्वेता शरण द्वारा संस्कार भारती के ध्येय गीत 'साधयति संस्कार भारती' तथा हरिद्वार महानगर इकाई के सचिव संतोष साहू के स्वागत भाषण के बाद संस्था ने उन आदर्श परिवारों का अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, जिनकी तीन पीढ़ियाँ आज के भोगवादी व बाजारवादी समय में भी एक साथ रहकर गुजर-बसर करके समाज में एक मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं।? इनमें भेल मुख्यालय में सेवारत महाप्रबन्धक राकेश मानिकताला, स्ट्रिंग म्यूजिक केयर के संचालक राहुल अरोड़ा, समाजसेविका मिनि पुरी, संस्कार भारती की उत्तराखण्ड प्रांत संयोजिका ज्योति भट्ट, भागीरथ जनकल्याण सेवा समिति के आशीष शुक्ला तथा प्रमिल कुमार भटनागर के परिवार शामिल थे। वरिष्ठ शिक्षक महेश चन्द्र काला ने कहा की वास्तव में जितनी बड़ी योजना के साथ सीमा पार से पुलवामा में आतंकी घटना को अंजाम देकर भारत के चालीस सैनिकों को शहीद किया, सीमा पर कर बालाकोट में आतंकी अड्डों को नष्ट करना ही उन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि थी। संस्कार भारती के संरक्षक अरुण कुमार पाठक ने कहा कि- बच्चों को संस्कारित करना माता-पिता तथा अभिभावकों की पहली जिम्मेदारी है। सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य लोकेन्द्र अंथवाल ने स्कूली बच्चों में भारतीय संस्कृति व संस्कारों के सम्प्रेषण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. अजय पाठक ने कहा कि- 'संस्कार बच्चों में डीएनए के माध्यम से पहले से ही शामिल होते हैं। हमें केवल उनको आवश्यक संरक्षण देने की आवश्यकता है। कवियित्री नीता नय्यर 'निष्ठा' ने तथा आशा साहनी ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में प्रांत मंत्री राकेश मालवीय, रविन्द्र यादव, रविन्द्र सोनी, कमल सैनी, सुनील सैनी, श्रीजा त्रिपाठी, मनीषा चावला, रीना अवस्थी एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, मातृ शक्तियाँ, अभिभावकगण, युवा वर्ग के प्रतिनिधि स्कूली बालक-बालिकाएँ तथा आदर्श संयुक्त परिवारों के सदस्यगण उपस्थित रहे।

एक नजर

तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत पर प्रियंका ने जनता का जताया आभार

नयी दिल्ली। तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत पर पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने जनता के भरोसे की जीत बताते हुए उनका आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस को स्थानीय निकाय चुनाव में एक और बड़ी जीत मिली है। इससे पहले सिकंदराबाद 2024 और जुबली हिल्स 2025 के उपचुनावों में विजय हासिल करने के बाद पार्टी ने अब ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भी शानदार प्रदर्शन किया है।

इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

मुंबई(ईएमएस)। कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली है। टॉयलेट में संदिग्ध पर्चा मिलने पर यात्रियों को तुरंत उतारा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह फ्लाइट सुबह 9:15 बजे उड़ान भरने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को विमान के टॉयलेट में एक पर्चा मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया और एयरक्राफ्ट को आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू कर दी गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, बम की सूचना पर्चे के जरिए मिली। यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया। विमान को आइसोलेशन बे में शिफ्ट किया गया। सुरक्षा एजेंसियां पूरी जांच में जुटी हैं।

एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसएल-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नशे की तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

यूपी में नहीं होंगे पंचायत चुनाव!

2027 तक टल सकती है प्रक्रिया, विधानसभा के साथ हो सकता है इलेक्शन

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अब अगले साल तक के लिए टल सकते हैं। माना जा रहा है कि राज्य में ओबीसी आयोग गठन न होने और आरक्षण प्रक्रिया अधूरी रहने के कारण पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव एक साथ होने के कयास लगाए जा रहे हैं। अब तक प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को देखकर कयास लगाए जा रहे थे कि आगामी कुछ महीनों में चुनाव करा दिए जाएंगे। लेकिन फिलहाल प्रक्रिया पर ब्रेक लगता दिख रहा है। उम्मीदवारों और स्थानीय नेताओं में असमंजस की स्थिति है। वहीं देरी की मुख्य वजह पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन को माना जा रहा है। आयोग का कार्यकाल अक्टूबर 2025 में खत्म हो चुका है। नियमानुसार हर 3 साल में इसका पुनर्गठन अनिवार्य है। आरक्षण निर्धारण इसी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित होता है।

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने एक कार्यक्रम में टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से कर दी। उनके इस बयान के बाद राज्य की सियासत गरमा गई और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

बताया जा रहा है कि मालेगांव महानगरपालिका के उपमहापौर के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर पहले से ही राजनीतिक हलचल थी। इसी पृष्ठभूमि में बुलढाणा जिले के एक कार्यक्रम के दौरान सपकाळ ने कहा कि शिवाजी महाराज का 'स्वराज्य' का विचार अद्वितीय था और बाद में टीपू सुल्तान ने भी ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ संघर्ष करते हुए उसी प्रकार का साहस दिखाया। उन्होंने टीपू को बहादुरी का प्रतीक बताते हुए उन्हें देशभक्त बताया।

इस बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गईं। इतिहास में टीपू सुल्तान की भूमिका को लेकर अलग-अलग मत होने के कारण यह मुद्दा और संवेदनशील बन गया।

सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने किया राजकीय अतिथि गृह का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के दृष्टिगत उत्तराखंड राज्य संपत्ति विभाग के सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने शनिवार को हरिद्वार स्थित अटल बिहारी वाजपेई राजकीय अतिथि गृह, मायापुर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव आवास ने अतिथि गृह की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए विभिन्न आवश्यक सुधार कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाया कि भवन की छत से पानी टपकने की समस्या है, जिन कमरों में पानी टपकने एवं सीलन का समस्या है उन कमरों को त्वरित निराकरण हेतु मरम्मत कार्य जल्द प्रारंभ करने निर्देश पीडब्लूडी के अधिकारियों को दिए। साथ ही विद्युत व्यवस्था में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने अतिथि गृह में मौजूद पुराने एवं अनुपयोगी फर्नीचर को नियमानुसार ऑक्शन (नीलामी) प्रक्रिया के माध्यम से हटाने के निर्देश भी दिए, ताकि परिसर को सुव्यवस्थित एवं आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप बनाया जा सके। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि कुंभ मेला 2027 को ध्यान में रखते हुए अतिथि गृहों की सुविधाओं को बेहतर बनाना प्राथमिकता है, जिससे आने वाले अतिथियों एवं अधिकारियों को उच्च स्तरीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस दौरान उन्होंने रूम, डोरमेट्री,पार्किंग डाइनिंग हॉल, किचेन,मीटिंग हॉल एवं वीआईपी रूम का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर सचिव राज्य संपति लक्ष्मण सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत यांत्रिक खंड पंकज नयाल, व्यवस्था अधिकारी राज्य अतिथि गृह गिरधर प्रसाद बहुगुणा, वरिष्ठ सहायक संजय कुमार सिंह, अनिल सती सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

हमलावरों का पीछा करते हुए हरिद्वार पहुंची देहरादून पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

देहरादून में कुख्यात गैंगस्टर विक्रम शर्मा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले में शामिल शूटरों की पहचान कर ली गई है और उनके ठिकानों को लेकर भी अहम सुराग हाथ लगे हैं। जांच में सामने आया है कि वारदात पूरी तरह सुनियोजित थी और हमलावर कई दिन से रेकी कर रहे थे।

स्कूटी आकाश नाम से झारखंड का पता दर्ज कर ली गई। हैरानी की बात यह है कि दोनों वाहनों के लिए एक ही आधार कार्ड जमा कराया गया था। वाहन रेलवे स्टेशन के सामने स्थित दो अलग अलग ट्रैवल्स एजेंसी से एक दिन के लिए किराये पर ली गई थी। पुलिस की जांच में पता चला कि गुरुवार को लिए गए ये वाहन शुक्रवार को दोपहर में वापस किये गए। दुकान से एक दिन के लिए किराये पर लिए गए थे। आधार कार्ड और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है। पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रहीं हैं। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि देहरादून पुलिस का जांच में पूरा सहयोग किया जा रहा है। देहरादून में गैंगस्टर विक्रम शर्मा की दिनदहाड़े हत्या में इस्तेमाल की गई स्कूटी और बाइक हरिद्वार से किराये पर लिए जाने की बात सामने आई है। देहरादून पुलिस की टीम ने हरिद्वार पहुंचकर वाहन स्वामी समेत संबंधित लोगों से पूछताछ की है।

बंगलादेश चुनाव: बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान का बड़ा बयान; भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ संबंधों पर स्पष्ट की नीति

ढाका। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चेयरमैन और देश के भावी प्रधानमंत्री के रूप में देखे जा रहे तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी एक ऐसी विदेश नीति का पालन करेगी जो चीन, भारत और पाकिस्तान के साथ व्यवहार में बंगलादेश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगलादेश की विदेश नीति पूरी तरह से 'देश और यहां के लोगों के व्यापक हितों' द्वारा निर्देशित होगी।

सरकार के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के सवाल पर श्री रहमान ने अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा, 'हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। हमारी अर्थव्यवस्था संकट का सामना कर रही है और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंता का विषय है। हमें लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने अवामी लीग की पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लगभग सभी संस्थाओं का राजनीतिकरण कर दिया गया है, इसलिए सुशासन सुनिश्चित करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

चीन और 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के साथ भविष्य के संबंधों पर चर्चा करते हुए बीएनपी चेयरमैन ने कहा कि वह केवल उन्हीं परियोजनाओं को आगे बढ़ाएंगे जो बंगलादेश के हित में होंगी। उन्होंने कहा, 'पारस्परिक हित हमारी पहली प्राथमिकता होगी। अगर कुछ बंगलादेश के हित में नहीं है, तो स्वाभाविक

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष ने पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कई अन्य नेताओं ने पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद बहादुर सुरक्षाकर्मियों को शनिवार को उनके बलिदान के लिए नमन किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने पुलवामा आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'सुरक्षाकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान देश की स्मृति में सदैव अंकित रहेगा।

स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह संपन्न

पथ प्रवाह, देहरादून

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट स्थित स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में क्रमशः मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न संकायों में डिग्री प्राप्त करने वाले 1001 छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत केवल एक शैक्षणिक पड़ाव नहीं, बल्कि जीवन की नई यात्रा की शुरुआत है। डिग्री के साथ मानव निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है।

उन्होंने कहा कि अमृतकाल के अगले 25 वर्ष विकसित भारत के निर्माण के निर्णायक वर्ष होंगे, जिनमें आज के युवा साक्षी ही नहीं, कर्ताधर्ता भी बनेंगे। प्राप्त शिक्षा का उपयोग मानवता, गरीब और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए करने का आह्वान उन्होंने किया।

केंद्रीय मंत्री ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान

स्थापित कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत और स्थिर अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्धियों, आयुष्मान भारत योजना, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार, टीबी-मलेरिया-डायरिया उन्मूलन में प्रगति और कैंसर के अर्ली डिटेक्शन जैसी पहलों को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधन करते हुए सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य की सबसे बड़ी ताकत है और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय ने शिक्षा, चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, टेलीमेडिसिन, पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में केंद्र सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का उल्लेखनीय सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री मोदी जी के उत्तराखंड के तीसरे दशक' की अवधारणा के अनुरूप उत्तराखंड में विकास कार्य संपादित किया जा रहे हैं। उन्होंने रिवर्स पलायन, राज्य के जल- जंगल बचाने के लिए लिए गए ठोस निर्णयों, दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क-बिजली-इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच, पर्यटन विकास, एसडीजी रैंकिंग, मत्स्य विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हो रहे सकारात्मक बदलावों की से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और संवेदनशीलता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें, ताकि उनके कार्यों में करुणा, मानवता और सेवा की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

राज्य के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तराखंड मानव संसाधन से लेकर और संरचनात्मक सभी स्तर पर बेहतर कार्य कर रहा है और केंद्र सरकार से उत्तराखंड को स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में लगातार अनुकरणीय सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने स्वामी राम हिमालयन संस्थान के उत्तराखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की सराहना की।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने शिक्षा को केवल डिग्री मात्र नहीं बल्कि आत्मज्ञान, सशक्तिकरण और परिवर्तन का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान का मुख्य फोकस मानव सेवा और नैतिकता के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है।

1001 विद्यार्थियों को डिग्रियां, एइहश का शुभारंभ

दीक्षांत समारोह में मेडिकल, एलाइड हेल्थ, नर्सिंग, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, योग विज्ञान एवं बायो-साइंसेज संकायों के 1001 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं।

31 विद्यार्थियों को अकादमिक अवार्ड, 2 छात्रों को स्वामी राम बेस्ट ग्रेजुएट अवार्ड तथा 14 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समारोह के अवसर पर सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (CDOE) का ऑनलाइन शुभारंभ किया गया।

विश्वविद्यालय को NAAC से A+ ग्रेड प्राप्त होने के कारण CDOE के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी से एंटाइटल्ड हैं, जिससे विद्यार्थियों को मान्यता प्राप्त गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा मिलेगी।

कार्यक्रम में उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजेंद्र डोभाल, प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई: मावा व मिठाइयों के नमूने भरे

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

खाद्य आयुक्त, उत्तराखण्ड एवं जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में मिलावटी एवं मानक विहीन खाद्य पदार्थों की रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शनिवार प्रातः से सघन निरीक्षण अभियान चलाया। यह विशेष अभियान लोधिया पुलिस बैरियर पर संचालित किया गया, जहां बाहरी जनपदों एवं विभिन्न क्षेत्रों से खाद्य सामग्री लेकर प्रवेश कर रहे वाहनों की व्यापक जांच की गई।

अभियान के दौरान लगभग 16 वाहनों की जांच की गई, जिनमें केएमयू की बसें, ट्रक तथा अन्य छोटे व्यावसायिक वाहन शामिल थे। इन वाहनों के माध्यम से मावा, मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री जनपद में लाई जा रही थी। विभाग की टीम ने

दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक बस से लाए जा रहे खुले मावे की गुणवत्ता संदिग्ध प्रतीत होने पर टीम ने उसका विधिवत नमूना संग्रहित किया। संबंधित नमूना परीक्षण हेतु खाद्य विश्लेषणशाला प्रेषित कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत यदि नमूना मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो स्रश्शस्र Safety and Standards Act, 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इसी क्रम में एक अन्य वाहन में सप्लाई की जा रही पैकेट बंद मिठाइयों की गुणवत्ता पर भी संदेह व्यक्त किया गया। टीम द्वारा संबंधित मिठाइयों के नमूने लेकर उन्हें भी प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनपद में वितरित की जा रही खाद्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं, सप्लायरों एवं वितरकों से अपील की है कि वे खुली अथवा पैक्ड किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री का क्रय-विक्रय केवल वैध बिलों एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही करें। उन्होंने कहा कि इससे आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बनी रहती है और किसी भी अनियमितता की स्थिति में संबंधित सप्लायर, डिस्ट्रीब्यूटर अथवा निर्माता की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मिलावटी या मानकविहीन खाद्य पदार्थों की आपूर्ति किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। त्योहारों एवं विशेष अवसरों को दृष्टिगत रखते हुए विभाग द्वारा आगे भी इस प्रकार के सघन निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेंगे। निरीक्षण टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार के साथ ईश्वर सिंह नेगी एवं कुंदन सिंह मौजूद रहे।

एक नजर

पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे, रोजगार-बेरोजगारी की असली तस्वीर आएगी सामने

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। देश में श्रम बल की वास्तविक स्थिति, जनसंख्या की आर्थिक गतिविधियों, रोजगार एवं बेरोजगारी की सटीक तस्वीर सामने लाने के उद्देश्य से अर्थ एवं संख्या निदेशालय के निर्देशन में अर्थ एवं संख्या विभाग द्वारा Periodic Labour Force Survey (PLFS) यानी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण प्रदेशभर में प्रारंभ किया जा रहा है। यह सर्वे फरवरी 2026 से दिसंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेणु भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद अल्मोड़ा में यह सर्वेक्षण 16 फरवरी 2026 से शुरू होगा। सर्वे के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के चयनित परिवारों से ऑनलाइन CAPI (कम्प्यूटर असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यूइंग) प्रणाली के माध्यम से विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। विभाग के सहायक सांख्यिकीय अधिकारी चयनित इकाइयों में घर-घर जाकर परिवार के मुखिया व सदस्यों से शिक्षा, रोजगार की स्थिति, काम की तलाश, मासिक पारिवारिक व्यय आदि से संबंधित आंकड़े ऑनलाइन दर्ज करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सर्वे के माध्यम से यह आकलन किया जाएगा कि कितने लोग रोजगार में हैं, कितने लोग काम की तलाश में हैं तथा श्रम बाजार में भागीदारी का वास्तविक स्तर क्या है। केंद्र सरकार द्वारा जनपद अल्मोड़ा में इस सर्वे के लिए कुल 26 इकाइयों का चयन किया गया है, जिनमें 14 ग्रामीण और 12 नगरीय इकाइयां शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खरकोली, खीराकोट मंज्यूर कनारी, धुधतिया गांव, नौगांव, न्यूनी, फूटा, खेतीलग्गा सिद्धी, मुराद, ठाट, खड़ियानौली, तल्ली मैनारी, बिसराखेत एवं जैनोली को शामिल किया गया है। वहीं नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका परिषद अल्मोड़ा की 8 इकाइयां, नगर पंचायत भिकियासैंण की 1 इकाई, रानीखेत कैंट की 2 इकाइयां तथा नगर पालिका परिषद रानीखेत (चिलियानीला) की 1 इकाई चयनित की गई है। सर्वे का मुख्य उद्देश्य अखिल भारतीय स्तर पर श्रम बल सहभागिता दर (LFPR), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) एवं बेरोजगारी दर (UR) का अनुमान लगाना है। यह आकलन ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लिए प्रत्येक त्रैमासिक अंतराल पर किया जाता है। श्रम बाजार से संबंधित ये सांख्यिकी संकेतक सरकार के विभिन्न स्तरों पर योजना निर्माण, नीति निर्धारण एवं निर्णय प्रक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। साथ ही इन आंकड़ों का उपयोग शोधकर्ता एवं विभिन्न संस्थान भी करते हैं। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने संबंधित क्षेत्रों के निवासियों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण के दौरान विभागीय कार्मिकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि सर्वेक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके और जनपद की वास्तविक श्रम स्थिति का आकलन सटीक रूप से किया जा सके।

कराईकल की जनसभा में अमित शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कराईकल (पुडुचेरी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर हर रोज झूठ बोलने की परंपरा शुरू करने और देश के किसानों और मछुआरों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुडुचेरी के कराईकल में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये श्री गांधी पर ये आरोप लगाये। शाह ने 2019 के पुलवामा हमले की बरसी पर शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश उनकी वीरता को कभी नहीं भूलेगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ (ईयू) और इंग्लैंड के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते (ट्रेड डील) से भारत के मछुआरों को सबसे अधिक लाभ होगा। उन्होंने

कहा, 'मैं इस मंच से श्री गांधी को जवाब देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने इन समझौतों में किसानों और पशुपालकों को 100 प्रतिशत सुरक्षा दी है और इससे किसी भी किसान को नुकसान नहीं होने वाला।' उन्होंने श्री गांधी से अपील की कि वे इन समझौतों की बारीकियों को समझें और भ्रम फैलाना बंद करें। शाह ने कहा कि इस जनसभा के दो उद्देश्य हैं–पहला, प्रधानमंत्री मोदी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखना और दूसरा यूपीए तथा इंडिया गठबंधन की नीतियों को बेनकाब करना। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार समाप्त किया, केंद्र पर निर्भरता कम कर केंद्रशासित प्रदेश को अधिक स्वायत्त बनाया और राजनीतिक स्थिरता स्थापित की है। शाह ने कहा कि 2021 विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 44 प्रतिशत मत और 30 में से 16 सीटें मिली थीं। आगामी चुनाव में भाजपा, एआईएनआरसी और एआईएडीएमके गठबंधन 60 प्रतिशत मतों के साथ 24 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। जनसभा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को बताया गैस चैंबर

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की आबोहवा की तुलना गैस चैंबर से की और कहा कि यूपी में तेजी से विकास हो रहा है, इसके बावजूद घुटन भरा माहौल नहीं है। योगी ने कहा कि पर्यावरण का नुकसान आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''आप देखिए यहां का पर्यावरण कितना अच्छा है, कोई प्रदूषण नहीं है। अगर प्रदूषण नहीं है, तो कोई बीमारी भी नहीं है। जब भी प्रदूषण होगा तो यह फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाएगा। अगर ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाली मशीन खराब हो जाती है, तो पूरा शरीर खराब हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ''आप दिल्ली जाइए। क्या हालत है? ऐसा लगता है कि वहां गैस चैंबर है। हालत खराब है। आप हवा में सांस नहीं ले पाएंगे और आंखों में जलन होगी। वहां के डॉक्टर का कहना है कि जिन्हें अस्थमा और दूसरी बीमारियां हैं, बुजुर्ग और बच्चे हैं, उन्हें घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। क्या यही जिंदगी है?

उधमसिंह नगर कार्निवाल सरस आजीविका मेला-2026 का किया शुभारम्भ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 295.21 करोड़ के विकास कार्यो का किया लोकार्पण/शिलान्यास

पथ प्रवाह, रूद्रपुर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क में आयोजित भव्य उधमसिंह नगर कार्निवाल सरस आजीविका मेला-2026 का फीता काटकर किया शुभारम्भ किया। उन्होने 295.21 करोड़ के 61 कार्यो का लोकार्पण/शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने 123.91 करोड़ के 26 कार्य जिसमे चिकित्सा विभाग का 20.35 करोड़ के 01 कार्य, लोनिवि के 9.01 करोड़ के 05, नगर निगम रूद्रपुर के 38.60 करोड़ के 09, पशुपालन विभाग के 4.74 करोड़ का 01, संस्कृति विभाग का 95 लाख का 01, सिंचाई विभाग का 26.52 करोड़ के 02, खेल विभाग के 19.02 करोड़ के 04, शिक्षा विभाग के 3.18 करोड़ का 01, नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का 96 लाख का 01, नगर पालिका परिषद बाजपुर का 58 लाख का 01 कार्य का लोकार्पण किया। इस तरह 171.30 करोड़ के 35 कार्यो का लोकार्पण किया। जिसमे लोनिवि के 93.92 करोड़ के 05 कार्यो का, नगर निगम रूद्रपुर के 59.53 करोड़ के 19 कार्यो का, पशुपालन विभाग के 3.47 करोड़ का 01 कार्य, शिक्षा विभाग के 7.41 करोड़ के 02 कार्यो, ग्रामीण निर्माण विभाग के 6.97 करोड़ के 08 कार्यो का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की पांच घोषणाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 05 घोषणाएं की जिसमें मानसखंड कोरिडोर के अंतर्गत गोल्ज्यू मंदिर,शिव मंदिर व नीलकंठ धाम को जोड़ते हुए शिव प्रतिमा की स्थापना, नगर निगम रूद्रपुर के पर्यावरण मित्रों के लिए खेड़ा में आवास निर्माण किए जाने, भूरारानी व गंगापुर रोड का चौड़ीकरण, अटारिया चौक से इंद्रा कॉलोनी तक रोड का निर्माण, गुरु चांद ठाकुर स्मृति सहायता कोष ह्र2 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ करने की घोषणा की।

कांवड़ियों के पैर पखारे

मुख्यमंत्री श्री धामी ने त्रिशूल चौक का लोकार्पण किया उससे पूर्व उन्होंने कांवरियों की पैर पखारे एवं उनको अंगवस्त्र व पुष्प माला भेंट कर उनका अभिवादन किया, इसके उपरांत त्रिशूल चौक से सरस मेला कार्यक्रम स्थल गांधी पार्क तक आयोजित शिव बारात में प्रतिभाग किया। शिव बारात में मुख्यमंत्री का विभिन्न संगठनों व जनता द्वारा फूलमाला,पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री का संबोधन

मुख्यमंत्री पु?ष्कर धामी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे रुद्रपुर के चहुंमुखी विकास के लिए 288 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की 61 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं रुद्रपुर को विकास, विश्वास और भविष्य की नई ऊँचाइयों तक ले जाने का मज़बूत आधार बनेंगी। हम जहां एक ओर लगभग 590 करोड़ रुपए की लागत से रूद्रपुर बाईपास का निर्माण करा रहे हैं, वहीं, रूद्रपुर को खटीमा-टनकपुर एवं गदरपुर-जसपुर से जोड़ने वाली चार लेन सड़कों का निर्माण भी करा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत से मानूनगर-गदरपुर से दिनेशपुर-मटकोटा होकर सीधे हल्द्वानी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कर रहे हैं। रुद्रपुर रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण के साथ-साथ नई सिग्नल लाइनों और दो रेल ओवरब्रिज का निर्माण भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए रुद्रपुर के मास्टर ड्रेनेज प्लान को मंजूरी प्रदान की गई है, और सार्वजनिक स्थानों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट्स का निर्माण भी प्रगति पर है। इतना ही नहीं, रुद्रपुर में 15 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड के पहले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का भी निर्माण कराया जा रहा है, साथ ही, 17 करोड़ रुपये की लागत से एक एडवांस कूड़ा प्रबंधन प्लांट भी स्थापित किया गया है। उन्होंने आज उधमसिंह नगर जनपद के किच्छा में 351 करोड़ रूपए की लागत से 100 एकड़ भूमि पर एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही, हम पंतनगर हवाईअड्डा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के रूप में बदलने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जहां एक ओर गदरपुर और खटीमा में बाईपास का निर्माण कार्य कराया है, वहीं खटीमा और किच्छा में बस अड्डों का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, हमने रूद्रपुर, गदरपुर और चकरपुर में खेल स्टेडियम, बहुउद्देश्यीय हॉल, साइकिलिंग ट्रैक और एथलेटिक्स ट्रैक सहित विभिन्न प्रकार की खेल सुविधाओं का निर्माण कार्य भी कराया है। उन्होंने कहा कि हम जहां एक ओर काशीपुर में अरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क, काशीपुर में इलैक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर, पंतनगर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना की है। वहीं, खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी की स्थापना के माध्यम से इस पूरे क्षेत्र के विकास और रोजगार को गति देने का प्रयास भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना का निर्माण पुनः प्रारंभ कर पूरे तराई क्षेत्र की पेयजल और सिंचाई की समस्या का स्थाई समाधान करने का प्रबन्ध कर दिया है। जिस दिन ये परियोजना पूर्ण होगी, हमारे पूरे तराई क्षेत्र में पीने के पानी और सिंचाई के पानी की समस्या पूर्ण रूप से दूर हो जाएगी। उन्होंने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी को पता होगा कि बांग्लादेश से विस्थापित होकर बड़ी संख्या में लोग हमारे उधमसिंह नगर जिले में भी रहते हैं। दुर्भाग्य की बात थी कि इस समाज के लोगों के जाति प्रमाण पत्र पर पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित लिखा जाता था। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यसेवक के रूप में राज्य की सत्ता सँभालने के बाद ये कहा था कि दशकों से बंगाली समाज के लोग यहां रहकर इसी मिट्टी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए ये लोग भी हमारे अन्य नागरिकों की तरह ही हैं, इनके साथ भेदभाव बिल्कुल नहीं होने दिया जाएगा। हमने फैसला लिया कि इनके जाति प्रमाण पत्र में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हैं, नहीं लिखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने नजूल भूमि पर बड़ी संख्या में बसे हुए बंगाली समाज के परिवारों को उनकी भूमि का मालिकाना हक दिलाने का काम भी किया, जिससे वो बेफिक्र होकर अपना पक्का मकान बना सकें। उन्होंने कहा कि हम राज्य के समग्र विकास के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने हेतु भी पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। एक ओर जहां हम प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रहे हैं, वहीं सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून सबके लिए एक है, इसलिए हम धर्मांतरण विरोधी कानून लाए, दंगा फैलाने वालों पर लगाम कसी और देवभूमि को अस्थिर करने वाली हर साज़िश पर सीधी चोट की। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू की, जिसे देशभर में सराहा गया। उन्होंने कहा कि हमने मदरसा बोर्ड समाप्त कर उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक प्राधिकरण शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया है, जो अब ये सुनिश्चित करेगा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण का माध्यम बने, न की कट्टरता का।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 250 से अधिक अवैध मदरसों पर ताला लगाकर स्पष्ट संदेश दिया कि अब उत्तराखंड में अवैध मदरसों की आड़ में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हमने नकल को उद्योग बनाने वालों के खिलाफ देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लाकर नकल माफिया की कमर तोड़ने का काम किया है। इसी का परिणाम है कि हमने साढ़े चार वर्षों में जहां 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की, वहीं 100 से अधिक नकल माफियाओं को सलाखों के पीछे भेजा। उन्होंने कहा कि आज राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के अंतर्गत सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश के इतिहास में पहली बार, आईएएस और पीसीएस स्तर के अधिकारियों सहित बीते तीन वर्षों में 200 से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की है। इस सख्ती और पारदर्शिता का सीधा लाभ हमारे उद्यमियों को मिल रहा है और उन्हें योजनाओं की स्वीकृति, जमीन आवंटन, औद्योगिक लाइसेंस या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में अब अनावश्यक बाधा का सामना नहीं करना पड़ता।

कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट,विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं जनता का स्वागत व आभार व्यक्त किया एवं सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य,विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली,दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू,फरजाना बेगम, उत्तम दत्ता,मंजीत सिंह,खतीब अहमद,मुकेश कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी,जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल,मनोज पाल, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम,पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा,राजेश शुक्ला, गुंजन सुखीजा,श्रीनेत्र पाल मौर्या, रामपाल सिंह,अनिल चौहान,राजेश कुमार, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्रा, पी डी हिमांशु जोशी नगर आयुक्त शिप्रा जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, जनता मौजूद थे।

नवनियुक्त एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने संभाला चार्ज, मीडिया से बातचीत में बतायी अपनी प्राथमिकता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार के नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने विधिवत रूप से शनिवार को अपना चार्ज संभाल लिया है। चार्ज लेने के बाद उन्होंने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और पत्रकारों को आगामी महाशिवरात्रि की सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी।

नवनियुक्त एसएसपी नवनीत सिंह द्वारा हरकी पैड़ी पर पूजा अर्चना कर विधिवत रूप से हरिद्वार की कमान संभाली। उसके बाद हरिद्वार सीसीआर टावर पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कंट्रोल रूम का जायजा लिया। इस दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि कानून-व्यवस्था, यातायात और महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। जिसको लेकर सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। एसएसपी ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर और महिला सुरक्षा उनकी प्राथमिकता रहेगी।

साथ ही हरिद्वार में होने वाले आगामी आयोजनों को लेकर सुरक्षा और समन्वय पर भी विशेष नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ड्रग फ्री अभियान को सफल बनाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अवैध रूप नशा बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध नशे पर अंकुश लगाया जाएगा। अपराधियों की जगह जेल में होगी। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पुलिस कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करेगी। अगामी कुंभ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष फोकस रखते हुए सुरक्षा प्लान तैयार किया जाएगा। शहर में जाम न लगे इसके लिए यातायात व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

चार्ज संभालने के बाद शाम को एसएसपी हरिद्वार द्वारा हर की पैडी क्षेत्र का सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। शाम को नवनियुक्त एसएसपी ने शारदीय कावड़ मेला के दृष्टिगत देर शाम अन्य अधिकारियों के साथ हर की पौड़ी पहुंचें। यहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए उसके बाद गंगा आरती में भी प्रतिभाग किया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com